

पंडरिया दशहरा उत्सव में शामिल हुई विधायक भावना बोहरा, कहा विजयादशमी का पर्व सत्य, धर्म और मर्यादा की जीत का प्रतीक है

जनता के गोठ विजयादशमी के पावन अवसर पर माँ महामाया दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की भव्यता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए आयोजन समिति एवं नगरवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध गायिका श्वेता महिमा दास और गायक नवीन साहू द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। हजारों की संख्या में उपस्थित नगर एवं

क्षेत्रवासियों ने उत्साह और उल्लास के साथ इस पर्व में सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में वास्तविक जीत सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने से प्राप्त होती है। प्रभु श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की विमुख नहीं होना चाहिए। यह पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों को पहचानने, अहंकार का त्याग करने और समाज में प्रेम, सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत

करने का संदेश देता है। भावना बोहरा ने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन अथवा उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के आचरण का मूल्यांकन करने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का भी पर्व है। भगवान श्रीराम ने अपने आचरण से सिद्ध किया कि मर्यादा, न्याय और जनकल्याण ही आदर्श जीवन के आधार हैं। यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो परिवार से लेकर समाज और राष्ट्र तक सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रख सकते हैं। हमारी सांस्कृतिक परंपराएं हमें एकजुट रहने, एक-दूसरे का सम्मान करने और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने



की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि पंडरिया विधानसभा की सेवा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनसेवा का संकल्प है। इसी

भावना के साथ क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विकास को नई गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज पंडरिया विधानसभा में

सड़कों का जाल बिछ रहा है, वनांचल क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंच रही हैं, विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्य हो रहे हैं और क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रही हैं एवं जनता की मूलभूत सुविधाओं का

विस्तार हो रहा है।प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के बाद सुशासन, जनहित और विकास को प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि पंडरिया विधानसभा का प्रत्येक गांव और प्रत्येक नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़े तथा क्षेत्र में समृद्धि, सुविधाओं और खुशहाली का विस्तार हो। भावना बोहरा ने कहा कि आज निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से बेटियां शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग से युवा अपने सपनों को साकार कर रहे हैं, भावना दीदी की साइंस पाठशाला से शासकीय स्कूल के विद्यार्थी ड्रोन उड़ा रहे हैं और रोबोटिक्स एवं आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। 8

निःशुल्क एमबुलेंस सेवा से हजारों लोगों को आपातकालीन समय में सहायता मिल रही है,मोबाइल हेल्थ पैथ लैब से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल रही है। यह सभी सेवाएं और सुविधाएं पंडरिया विधानसभा के आप सभी मेरे परिवारजनों के प्रति उस विश्वास का संकल्प है जो आपने मुझे अपनी सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। हम निरंतर क्षेत्र के विकास और आप सभी के सेवा के लिए अपने संकल्पों एवं कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नन्हे राम-लक्ष्मण ने किया रावण का वध, शाही दशहरा देखने उमड़ी हजारों की भीड़

273 वर्षों से कायम है कवर्धा की शाही दशहरे की परंपरा, आठवीं पीढ़ी के राजा योगेश्वर राज सिंह ने निभाई रस्म

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में 273 वर्षों से चली आ रही शाही दशहरे की परंपरा इस वर्ष भी राजसी वैभव और धार्मिक उत्साह के साथ निभाई गई। शाही सवारी के दर्शन और दशहरा उत्सव देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे। सरदार पटेल मैदान में नन्हे राम-लक्ष्मण और हनुमान बने बच्चों ने धनुष से प्रतीकात्मक वार कर रावण का वध किया। इसके साथ ही विजयादशमी का उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया।



योगेश्वर राज सिंह शाही बग्घी में सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले। उनके साथ राजकुमार मैकालेश्वर सिंह भी मौजूद रहे। शाही सवारी के आगे बैड-बाजे, धुमाल और आतिशबाजी के बीच श्रद्धालु उत्साह के साथ चलते नजर आए। जगह-जगह लोगों ने राजा का अभिवादन किया। शाही सवारी सरदार पटेल मैदान पहुंची, जहां राजपरिवार की ओर से तैयार किए गए लगभग 35 फीट ऊंचे रावण का नन्हे राम-लक्ष्मण ने वध किया। इसके बाद

विजय रथ नगर भ्रमण के लिए रवाना हुआ। मान्यता है कि दशहरे पर राजा के दर्शन करना शुभ माना जाता है। इसी आस्था के चलते कवर्धा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इतिहास के जानकार आदित्य श्रीवास्तव के अनुसार, शाही दशहरे की परंपरा महाराजा महाबली सिंह के समय से चली आ रही है। 273 वर्षों बाद भी यह परंपरा कवर्धा की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान के रूप में कायम है।

पुलिस स्मृति दिवस: देश की रक्षा में शहीद 154 पुलिसकर्मियों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

दुर्ग। देश की एकता, अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के उन वीर जवानों के साहस, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने

कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। इस वर्ष 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में कुल 154 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया। इनमें छत्तीसगढ़ के छह पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। इन वीर जवानों का बलिदान पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है और देशसेवा के प्रति समर्पण की सर्वोच्च परंपरा को दर्शाता

है। पुलिस स्मृति दिवस का इतिहास वर्ष 1959 की एक ऐतिहासिक घटना से जुड़ा है। 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिए तैनात केद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 21 जवानों के गश्ती दल पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। संख्या में कम होने के बावजूद भारतीय जवानों

ने बहादुरी से मुकाबला किया। इस संघर्ष में मातृभूमि की रक्षा करते हुए 10 जवानों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन वीर जवानों के साहस और बलिदान को सम्मान देने के लिए जनवरी 1960 में दिल्ली में आयोजित पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन ने निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के

रूप में मनाया जाएगा। तब से यह दिवस देशभर के पुलिस बलों में शहीद जवानों के सम्मान और स्मरण के रूप में मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच विभिन्न राज्यों और केंद्रीय शास्य पुलिस बलों के कुल 154 जवानों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्योछावर किए।

ग्राम साजापानी में गूंजी किलकारी: हाथियों के झुंड के बीच एक नन्हें शावक का जन्म, झेन से रखी जा रही नजर

कोरबा। कोरबा वनमंडल के करतला वन परिषद अंतर्गत बीट लबेद के ग्राम सजापानी में मंगलवार सुबह हाथियों के झुंड के बीच एक नन्हे हाथी का जन्म हुआ। सूचना मिलते ही वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी। मां और शावक की सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरे से नजर रखी जा रही है। आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों से जंगल की ओर नहीं जाने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है। वन विभाग के अनुसार, सुबह करीब छह बजे गश्त और हाथी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को शावक के जन्म की जानकारी मिली। इसके बाद विभागीय अमला मौके पर पहुंचा और हालात का आकलन कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल हाथियों के झुंड को बिना किसी बाधा के प्राकृतिक वातावरण में रहने देना और ग्रामीणों को संभावित खतरे से बचना प्राथमिकता है। बीट लबेद के ग्राम सजापानी के आसपास का जंगल हाथियों की आवाजाही वाला क्षेत्र है।

तभे लहुटे के बेरा हो जाथे !



चिन्हा जाथे हितवा-मितवा, मन के बानी भुलाय नही। सुरता रहिये फेर एके के, इहाँ लाखों अउ हजार मा।। घट जाथे जे बेरा म तईसन, कभू दूसर ले घटय नही। भरे रहियथ जे भाव मन म, कभू दूसर ले भरय नही।। रीत किता वोमन तजवाईन, भरे अमरित के गागर ल। जानत हें नइ नाहक सकन, वोकर बिन भवसागर ल।। कतको दुख-पीरा धरे ईंहा, कोनो ले कहीं कहे जाथे। थाती रहि जाथे जिनगी भर के, अंत म धरे-धरे जाथे।। सबो झन के हौंसी- मुस्की, मन म कभू समाय नही।

मन बसय न गोठ सबो के, सुन के अनुसुनाह हो जाथे। फेर काकरो बात- बानी म, ये सरी उमरिया खो जाथे।। आवत-जावत रहिये मनखे, नइ बिसरावय सुरता ला। न रात लगय न दिन लगय, का कहिये ये अतुरता ला।। काबर मिलथन एक दूजे ले, जान सकर्यै न कोनो इहाँ। लहु के नता ले भारी जनाथे, मया-प्रीत के बंधना जिहाँ।। आस- प्यास रहि जाथे रे सब, आसु धरे मनखे जाथे। समझ म आथे रदा जब, तभे लहुटे के बेरा हो जाथे।। रोशन साहू 'मोखला' (राजनादगाँव) 7999840942

तालदेवरी में 24 अक्टूबर को होगा विराट दशहरा महोत्सव

कमल खुंदे/जनता के गोठ बिरा। ग्राम पंचायत तालदेवरी में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी विराट दशहरा महोत्सव का आयोजन 24 अक्टूबर 2026, शनिवार को मंडी प्रांगण (खेल मैदान), मेन रोड में किया जाएगा। महोत्सव को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है। आयोजन में रावण दहन, आकर्षक आतिशबाजी, झांकी एवं रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण होंगे। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। आयोजन के अनुसार, 24 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे रावण दहन किया जाएगा। इसके बाद रात्रि 9 बजे से सांस्कृतिक



कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। कार्यक्रम में यादव लोक कला मंच, आर्केस्ट्रा ग्रुप ग्राम पुरैना, खरसिया, जिला रायगढ़ की प्रस्तुति होगी। कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। आयोजकों के अनुसार, दशहरा महोत्सव का उद्देश्य आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाएगा।

बस्तर दशहरा: मुरिया दरबार कार्ड में उपनेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं, विवाद गहराया

हेमराज बघेल ने कहा—बस्तर दशहरा की गरिमा बनाए रखने सभी जनप्रतिनिधियों और आदिवासी समाज प्रमुखों को मिले सम्मान

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के पारंपरिक आयोजन मुरिया दरबार के आमंत्रण पत्र में उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल का नाम शामिल नहीं होने पर विवाद गहराता जा रहा है। जनपद सदस्य हेमराज बघेल ने प्रेस वृत्ति जारी कर भाजपा सरकार और आयोजन की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नामों के चयन का आधार स्पष्ट करने की मांग की है। हेमराज बघेल ने कहा कि बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति, परंपरा और बस्तर की ऐतिहासिक पहचान का प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी होना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले में तीन विधायक हैं, इसलिए



आमंत्रण पत्र में जनप्रतिनिधियों के नामों को लेकर समानता और पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर और अन्य जनप्रतिनिधियों के नामों के चयन पर भी सवाल उठाए। साथ ही आदिवासी समाज प्रमुखों को आमंत्रित नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि मुरिया दरबार बस्तर की पारंपरिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें समाज प्रमुखों की भूमिका अहम है हेमराज बघेल ने राज्य सरकार

और संबंधित विभाग से मांग की कि आमंत्रण पत्र में अतिथियों के नामों के चयन का आधार सार्वजनिक किया जाए तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आदिवासी समाज प्रमुखों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। बघेल कहा कि बस्तर दशहरा किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे बस्तर की सांस्कृतिक विरासत है। इसकी गरिमा बनाए रखने के लिए राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी वर्गों को सम्मान देना आवश्यक है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि, परिजनों का किया गया सम्मान

प्रेम कुमार दुर्गम जिला ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तर बीजापुर, 21 अक्टूबर 2026।* जिले में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों और शहीद जवानों के परिजनों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सपूतों के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में शहीद परिवारों को श्रीरक्त एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के दौरान शहीद हुए सशस्त्र एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवधि में पूरे देश में कुल 154 जवानों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राण न्योछावर किए, जबकि छत्तीसगढ़ के 6 जवान शहीद हुए। बीजापुर जिले में माओवादी घटना

के दौरान जिला बल के दो जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। इनमें थाना नैमेड़ क्षेत्र के कचिलवार जंगल में माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद प्रधान आरक्षक बड़दी मोहन और आरक्षक दुकारू राम गोदे शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता ने शहीद जवानों के नामों का वाचन किया। इसके बाद शहीदों की नामावली शहीद स्मारक को अर्पित की गई। जवानों को सलामी देने के उपरांत उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को नमन किया। इसके पश्चात शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता, इंद्रावती टाडगर रिजर्व बीजापुर के वनमंडलाधिकारी सुमेद सुवारडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑफ रविन्द्र कुमार मीणा, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, एसडीएम राकेश साहू तथा जिला भाजपा अध्यक्ष घासीराम



नाग सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अधिकारियों ने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें श्रीफल एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही शहीद परिवारों को मिलने वाले स्वत्वों एवं अन्य देय राशि के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई। परिजनों की समस्याओं के

निराकरण के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। शहीद जवानों के बच्चों को छात्रवृत्ति दिलाने के लिए उनके आवेदन शिक्षा विभाग को भेजने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस विभाग की ओर से शहीदों के सम्मान और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए कहा गया कि देश की सुरक्षा में अपने प्राणों का

बलिदान देने वाले जवानों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। स्कूलों में भी किया गया शहीद जवानों को याद* पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बीजापुर जिले में शहीद जवानों के सम्मान में विशेष पहल की गई। जिले के जिन स्कूलों में शहीद जवानों ने अपनी शिक्षा प्राप्त की थी, वहां भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शहीद जवानों के साहस, त्याग और देश के प्रति समर्पण से परिचित कराना तथा उनके बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, अर्द्धसैनिक बल, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहीद जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की।

शहीद स्मृति दिवस पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने शहीद जवानों को किया नमन

वीर जवानों के शहादत ने छत्तीसगढ़ में लौटाई शांति-मंत्री श्री केदार कश्यप

अमर शहीद वाटिका में अर्पित की श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों से भेंट कर जाना हालचाल

बकावंड जनता के गोठा, 21 अक्टूबर 2026/ पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने जगदलपुर स्थित अमर शहीद वाटिका में वीर शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस दौरान उन्होंने शहीद जवानों के सामने से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने



प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान राष्ट्र सदैव याद रखेगा। उनका अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इन वीर सपूतों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने का दुःख अपूरणीय होता है। इसके बावजूद शहीद जवानों के परिजनों का धैर्य, साहस और राष्ट्र के प्रति सम्मान हम सभी को प्रेरणा देता है। इन परिवारों का त्याग भी राष्ट्र के प्रति समर्पण की एक मिसाल है। शहीदों की स्मृतियों को संजोना और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान बनाए रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पुलिस के जवान विषम परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। समाज में शांति स्थापित करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून का शासन बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पुलिस स्मृति दिवस उन वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर चलते हुए देश और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना है। इन वीर जवानों की शहादत हमें सदैव साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। राष्ट्र अपने इन वीर सपूतों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग का सदैव ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, जगदलपुर नगर पालिक निगम के महापौर श्री संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जल, जंगल और जमीन का संरक्षण जरूरी, आधुनिकता ऐसी हो जो पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखे

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदलपुर। आज के दौर में विकास को ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों, बड़े कारखानों और आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रकृति की कीमत पर होने वाला विकास वास्तव में मानव समाज के लिए लाभकारी है? आदिवासियत की प्रकृति-केन्द्रित जीवनशैली इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का अवसर देती है।



आदिवासी समाज की पारंपरिक जीवन-दृष्टि में जल, जंगल, जमीन, पहाड़ और समस्त जीव-जंतुओं का विशेष महत्व रहा है। प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना जाता है। हमारे पेन पुरखों की परंपराएं प्रकृति के प्रति सम्मान, सामुदायिक जिम्मेदारी और सह-अस्तित्व का संदेश देती हैं। प्रकृति के बिना विकास

अधूरा जंगलों की कटाई, प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण और जैव विविधता में कमी पर्यावरण के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। इनके दुष्परभाव मनुष्य के साथ पशु-पक्षियों और वनस्पतियों पर भी पड़ते हैं। ऐसे में विकास की दिशा पर विचार करना आवश्यक है। आधुनिक विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा और तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है। आवश्यकता इस बात की है कि इन उपलब्धियों का उपयोग पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित प्रबंधन में भी किया जाए। विकास योजनाओं में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी- आदिवासियत का संदेश अतीत तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है।

फिंरारिंट फेल होने से बुजुर्ग राशन से वंचित, सरकार तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करे : वीरेन्द्र नामदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राशन दुकानों में पुरानी ई-पॉश मशीनों पर फिंरारिंट का मिलान नहीं होने से बड़ी संख्या में पेंशनर्स वरिष्ठ नागरिकों को राशन प्राप्त करने में परेशानी हो रही है। 70 से 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के बुजुर्गों को तकनीकी खामियों के कारण राशन के लिए भटकना पड़ रहा है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष एवं वरिष्ठ नागरिक परिसंघ छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश संयोजक वीरेन्द्र नामदेव ने शासन और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों में बुजुर्गों के लिए अलग कतार, छाया, पेयजल और बैठने की व्यवस्था का अभाव उनकी परेशानी बढ़ा रहा है। उम्र के कारण फिंरारिंट का मिलान



नहीं होने पर उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। तकनीकी खामियों के कारण किसी पात्र वरिष्ठ नागरिक को उसके खाद्यान्न से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। महासंघ ने शासन से मांग की है कि पुरानी ई-पॉश मशीनों को आधुनिक मशीनों से बदला जाए तथा फिंरारिंट विफल होने पर आईरिस स्कैन, ओटीपी या अन्य मान्य

वैकल्पिक प्रमाणीकरण की सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक राशन दुकान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्राथमिकता से राशन वितरण, अलग कतार, छाया, पेयजल और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वीरेन्द्र नामदेव ने कलेक्टरों और खाद्य विभाग के अधिकारियों से राशन दुकानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने तथा लापरवाही को खत्मबंदी तय करने का आग्रह किया है। उन्होंने राज्य शासन से स्पष्ट निर्देश जारी कर प्रदेशव्यापी व्यवस्था लागू करने की मांग करते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को राशन के लिए अपमानजनक परिस्थितियों में खड़ा रखना संवेदनहीनता है। शासन की प्राथमिकता बुजुर्गों को परेशानी से बचाना और उन्हें सम्मानपूर्वक खाद्यान्न उपलब्ध कराना चाहिए।

बीजापुर पुनर्वास केंद्र में पुनर्वासित माओवादी ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रेम कुमार दुर्गम जिला ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तर बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एक पुनर्वासित माओवादी द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना सामने आई है। घटना 21 अक्टूबर 2026 की सुबह की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही थाना बीजापुर पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लैब (फ़स्र) की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नरसू बोड्डू उर्फ नैती, पिता लक्ष्मैया बोड्डू, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम कमकानार, थाना गंगालूर, जिला बीजापुर के रूप में हुई है। वह 23 जुलाई 2026 से बीजापुर स्थित पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। बताया गया है कि 21 अक्टूबर की सुबह नरसू बोड्डू द्वारा अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया। इसके बाद एफएसएल टीम और थाना बीजापुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा मामले से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की।

पुलिस लाइन दुर्ग में विधि - विधान से शस्त्र पूजा , वाहन पूजन एवं हवन संपन्न

अंचल वर्मा - दुर्ग, उर्ताई। जनता के गोठा। दुर्ग - विजयादशमी के पावन अवसर पर दुर्ग पुलिस द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार 20 अक्टूबर 2026 को पुलिस लाइन, दुर्ग में शस्त्र पूजा, वाहन पूजन एवं हवन का विधिवत आयोजन एवं विधि-विधान से पूजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों ने पूजा-अर्चना कर विभागीय शस्त्रों और वाहनों का पूजन किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात पुलिस विभाग के शस्त्रों के साथ पुलिस लाइन में उपलब्ध वाहनों एवं राजपत्रित अधिकारियों के शासकीय वाहनों का भी पूजन-अर्चना किया गया। शस्त्र पूजा एवं हवन की प्रक्रिया पूर्ण

होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए ब्लैंक की परंपराओं, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गामीण मणिशंकर चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोशलेंद्र देव पटेल सहित जिले के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन में पुलिस लाइन के अधिकारियों और

इस आयोजन के माध्यम से पुलिस विभाग की परंपराओं, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गामीण मणिशंकर चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोशलेंद्र देव पटेल सहित जिले के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन में पुलिस लाइन के अधिकारियों और

रावण के पास सब कुछ था, लेकिन अहंकार ने सब छीन लिया

भाटापारा में बोले विधायक इन्द्र साव—धन, बल और बुद्धि से बड़ा है विनम्रता का गुण, श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें

जनता के गोठ/ओंकार साहू बलौदाबाजार। रावण के पास अपार शक्ति थी, अमूर्त बुद्धि थी और वैभव की कोई कमी नहीं थी, लेकिन उसके अहंकार ने उसके संपूर्ण सामर्थ्य को मिट्टी में मिला दिया। विजयादशमी के अवसर पर भाटापारा के रावणभाटा स्थित दशहरा मैदान से क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव ने इसी संदेश के साथ लोगों को आत्ममंथन की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के पास कितना भी धन, ज्ञान, शक्ति और वैभव क्यों न हो, यदि उसके भीतर अहंकार घर कर जाए तो उसका पतन निश्चित है। दशहरा मैदान के मुख्य मंच से नगर एवं क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते



हुए विधायक साव ने कहा कि यह पर्व केवल रावण दहन तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने भीतर छिपे अहंकार, बुराई और नकारात्मक विचारों को समाप्त करने का भी अवसर है। भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुआ युद्ध हमें सिखाता है कि अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है। 'रावण का अंत केवल एक

व्यक्ति का अंत नहीं, अहंकार की हार का प्रतीक है' रामलीला के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राम-रावण युद्ध और भगवान श्रीराम के अग्निबाण से रावण वध के दृश्य के दौरान मैदान में हजारों लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि जहां सत्य का दीप जलता है, वहां असत्य का अधंकार टिक नहीं सकता। भगवान

श्रीराम के आदर्श हमें विनम्रता, मर्यादा, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी हमें अहंकार पर विनम्रता, अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य, अत्याचार पर सदाचार और क्रोध पर दया एवं क्षमा की विजय का संदेश देती है। यदि हम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन

में अपनाएं, तो समाज में प्रेम, सद्भाव और न्याय की भावना मजबूत होगी। 107 वर्षों की रामलीला परंपरा को सराहा विधायक इन्द्र साव ने श्री आदर्श रामलीला समिति को लगातार 107 वर्षों से इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने के लिए बधाई दी। उन्होंने रामलीला के कलाकारों और समिति के संरक्षक मंडलों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। अंत में विधायक ने सभी सांस्कृतिक क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संदेश दिया कि रावण का पुतला जलाने के साथ-साथ हर व्यक्ति को अपने भीतर के अहंकार रूपी रावण को भी समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

बाढ़ आपदा में जनसेवा का जज्बा दिखाने वाले पार्षद जाहिद हुसैन को मिला शौर्य सम्मान

आज की जनधारा' ने प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर किया सम्मानित, राहत-बचाव कार्यों में योगदान की सराहना

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदलपुर। बस्तर में आई भीषण बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों की सहायता और राहत-बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं प्रचौर वार्ड के पार्षद जाहिद हुसैन को 'शौर्य सम्मान' से सम्मानित किया गया। समाचार पत्र 'आज की जनधारा' की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उनके जनसेवा कार्यों की सराहना की गई। बाढ़ के दौरान बस्तर के कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ था। अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।



ऐसे समय में पार्षद जाहिद हुसैन प्रभावित लोगों के बीच सक्रिय रहे और जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग किया। उन्होंने संकट की घड़ी में वार्डवासियों के साथ खड़े रहकर उनकी समस्याओं को समझने और हरसंभव मदद करने का प्रयास किया। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावित लोगों को राहत सामग्री के साथ सहयोग और भरोसे की भी आवश्यकता होती है। ऐसे कठिन समय में जाहिद हुसैन ने

दिन-रात सक्रिय रहकर लोगों की सहायता करने का प्रयास किया। उनकी इसी सक्रियता, साहस, संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके कार्यों को जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना का उदाहरण बताया गया। 'शौर्य सम्मान' उनके प्रयासों की सराहना के साथ-साथ आपदा के समय जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने वाले लोगों को भी प्रेरित करने वाला है।

करपावंड में शारदीय नवरात्रि पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, 100 प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

बच्चों और युवाओं ने नाटक व नृत्य के माध्यम से दिया शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और पारंपरिक संस्कृति का संदेश; प्रत्येक प्रस्तुति पर 200 रुपये का नगद पुरस्कार

बकावंड जनता के गोठा विकासखंड के ग्राम पंचायत करपावंड में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नवदुर्गा समिति द्वारा 12 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के बच्चों, विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी कला और रचनात्मकता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत करपावंड के सरपंच श्री लखमुराम नेताम, उपसरपंच श्री बंशीधर बघेल एवं जनपद सदस्य



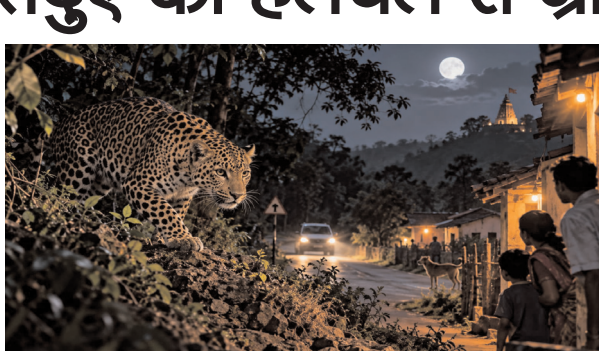
श्री नवल भारती ने प्रतिभागियों और आयोजन समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गांव में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बच्चों और युवाओं ने जिस उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया, वह सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है और युवाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। हर प्रस्तुति को मिला प्रोत्साहन आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रमों के अनुसार, कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों

और युवाओं की प्रत्येक प्रस्तुति पर 200 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। नाटक और नृत्य के माध्यम से ग्राम की पारंपरिक संस्कृति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संदेश दिया गया। इन प्रस्तुतियों ने ग्रामीणों को सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने निभाई सहभागिता सांस्कृतिक कार्यक्रम में ग्राम के दुर्गा माता के पुजारी श्री जयराम देवांगन, श्री कमल कश्यप, श्री

फानुराम बघेल, श्री मनीराम बघेल, श्री गुप्तेश्वर देवांगन (सहसचिव), श्री रामलखन देवांगन (कोषाध्यक्ष), श्री कौडीराम भारती, श्री हरिचंद्र नेताम, श्री लोकनाथ देवांगन, श्री सुनील कश्यप, श्री भजनसिंग कश्यप, श्री रामेश्वर बघेल, श्री डुमर बघेल, श्री गजेन्द्र यादव, श्री लखमुराम देवांगन, श्री सोनूराम मोर्य, श्री युवराज कश्यप, श्री बंशीधर देवांगन (सचिव), श्री जयमन देवांगन, श्री लोकेन्द्र निषाद (पंच), श्री मुरलीधर नेताम (पंच), श्री सोमनाथ देवांगन (पंच), श्री सोनाधर कश्यप (पंच), श्री तुलाराम देवांगन तथा श्री रिखेश्वर जोशी (पंडित) सहित ग्राम के वरिष्ठ नागरिक एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्राम पंचायत के पंच श्रीमती शानु बघेल, श्रीमती अंजु कश्यप, श्रीमती हेमवती कश्यप, श्रीमती फूलो नाग, श्रीमती दयो देवांगन, श्रीमती ललिता देवांगन, श्रीमती पियाशी भारती, श्रीमती निरवती कश्यप एवं श्रीमती नविना दास सहित अन्य ग्रामीणों ने भी आयोजन में सहभागिता निभाई।

शाम ढलते ही वनांचल में बढ़ता खौफ़ सरेखा- जैतपुरी में तेंदुए की हलचल से ग्रामीण सतर्क

जनता के गोठ, कवर्धा। नवरात्रि में शाम होते ही जहां मंदिरों और बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है, वहीं सरेखा-जैतपुरी और आसपास के वनांचल में अंधरा ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रहा है। शुकुवार रात करीब 10:30 बजे क्षेत्र में तेंदुए दिखाई देने और अगले दिन एक कुत्ते का शिकार किए जाने की जानकारी सामने आई है। सरोदा से भीरमदेव को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इसी इलाके से गुजरता है। ऐसे में जंगल से लगे गांवों के लोगों के साथ पर्यटकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। क्षेत्र में भालुओं की सक्रियता की जानकारी ने चिंता और बढ़ाई है। वन विभाग ने गश्त तेज कर गांवों में मुनादी कराई है। लगातार सामने आ रही घटनाएं वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी की जरूरत को रेखांकित करती हैं। खेतों के पास मिला था तेंदुआ- 10 सितंबर को सिंघनपुरी में खेतों के बीच मार्ग के पास तेंदुआ दिखाई दिया था वन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने



क्षेत्र की घेराबंदी कर ग्रामीणों को दूर रखा। रायपुर से पहुंचे विशेषज्ञों ने दोपहर 1:42 बजे ट्रैकिंगलाइनर डॉर्ट से तेंदुए को सुरक्षित पकड़ा। लगभग आठ वर्ष आयु के इस तेंदुए को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद निगरानी और उपचार के लिए भीरमदेव वन्यजीव अभयारण्य ले जाया गया था। अस्पताल के महिला शौचालय में घुसा था तेंदुआ 5 अक्टूबर को कवर्धा शहर के खेहा अस्पताल के महिला शौचालय में तेंदुआ मिलने से हड़कंप मच गया था। घटना में एक महिला घायल हुई थी। बिलासपुर से पहुंचे विशेषज्ञों ने दोपहर करीब

2:55 बजे तेंदुए को बेहोश कर सुरक्षित निकाला। लालपुर नर्सरी में परीक्षण और उपचार के बाद शाम करीब छह बजे उसे भीरमदेव अभयारण्य में छोड़ दिया गया था। रात में आवाजाही बनी चिंता, पर्यटकों को भी सतर्कता जरूरी- सरेखा, जैतपुरी, सिंघनपुरी और आसपास के गांवों में तेंदुए की गतिविधियों की सूचना के बाद लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। जंगल से लगे रास्तों पर रात में अकेले निकलने, मवेशियों की देखभाल करने और जरूरी काम से बाहर जाने के दौरान सतर्क रहें। तेंदुआ या भालु दिखाई देने पर उसके पास जाने, भीड़ जुटाने या

पीछा करने की कोशिश न करें। तत्काल वन विभाग अथवा पुलिस को सूचना दें। सरोदा-भीरमदेव मार्ग पर आने-जाने वाले पर्यटकों को भी सूर्यास्त के बाद अनावश्यक आवाजाही से बचने और विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कैमरे लगाने की तैयारी, गांवों में मुनादी संबंधित क्षेत्र में वन विभाग की पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। आसपास के गांवों में मुनादी काराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरे लगाने और सांकेतिक चेतावनी बोर्ड स्थापित करने की तैयारी है। निखिल अग्रवाल, डीएफओ, कवर्धा जवानों और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह शुकुवार रात करीब 10:30 बजे तेंदुओं का झुंड दिखाई दिया था। अगले दिन एक कुत्ते का शिकार किए जाने की जानकारी मिली।

संपादकीय

देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। एशियाई खेलों में एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अपेक्षित पदक नहीं मिले, तो खेल मंत्रालय समीक्षा बैठक करता है। पिछली एशियाई खेलों के मुकाबले इस बार पदकों की संख्या में कमी निश्चित रूप से चिंता का मामला है। मगर क्या

कभी उन लोगों की जवाबदेही भी तय होती है, जिनके हाथों में खेलों का प्रशासन है? खिलाड़ियों से पदक जीतने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या खेल संगठनों के पदाधिकारियों से नतीजों का हिसाब मांगा जाता है? देश के अनेक खेल संधों में ऐसे लोग प्रथम पुरस्कार पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई शृंगार नहीं रही है। प्रशासनिक अनुभव जरूरी है, लेकिन खेल की

विचार-पक्ष

खेलों में पदक चाहिए, तो जवाबदेही भी तय करनी होगी

बारिकरियों, खिलाड़ियों की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की समझ भी नेतृत्व की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विडंबना है कि खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने वाली व्यवस्था में कई बार उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। सवाल है कि प्रबंधिकाचारियों के कामकाज की समीक्षा और जवाबदेही तब क्यों करके का प्रभावी तंत्र क्यों नहीं

है? जब पद प्रतिष्ठा व प्रभाव का माध्यम बन जाएं, तो खेल हित का पीछे छूटना लाजिमी हो जाता है। हार्दसूरी बड़ी चुनौती प्रतिभाओं की खोज है गांवों और छोटे कस्बों में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो उचित प्रशिक्षण, उपकरण और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का चमक बिखरे सकते हैं। मगर प्रतिभाओं का पहचान अगर संयोग पर निर्भर हो, तो यह

व्यवस्था की विफलता है। कितने ही संभावित और बेहतरतम खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में खेल छोड़ देते हैं। कितनों को केवल इसलिए अवसर नहीं मिलता कि उनके पास उच्च संपर्क नहीं हैं। प्रतिभा को शुरुआती स्तर पर पहचानने और उसी निखारने की व्यवस्था पहले के बिना पदक बढ़ाने के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। खेलों में सुधार के लिए बजट और घोषणाओं से आगे बढ़ना होगा। खेल

संगठनों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति और प्रतिभा खोज की जवाबदेह व्यवस्था बनानी होगी। मंत्रालय को समीक्षा बैठकों के निष्कर्षों पर कार्रवाई का हिसाब भी सार्वजनिक करना चाहिए। जब तक खेल व्यवस्था में खिलाड़ी सर्वोपरि नहीं होंगे, तब तक पदक की महत्वाकांक्षा और उपलब्धियों के बीच की दूरी बढ़ेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता

(महेन्द्र तिवारी)

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहाँ प्रमुख शेयर सूचकांक कोसपी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियों इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी

से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।

शेयरर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर प्रमुखता कोसमी 7.57 प्रतिशत गिरावट 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकेना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एस्क के हार्डवेयर जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्था कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिगवट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बढ़ते रहने और ब्याज दर को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दर उंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियों ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिप, विशाल आंकड़ों का निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावशीलतलन प्रणालियाँ चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियों इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वल्लों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है। अमेरिकी कंपनी कोरबील का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। वह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएँ उपलब्ध कराती

है। रैंटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बड़ा गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों की भरोसा दिलाना कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को किर्माचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की किस्तों का भुगतान लगातर करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत

इसका भारत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ने पर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से भी पूंजी निकाल सकते हैं। इससे शेयरों की कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका रहती है। दूसरी ओर, कुटुम्ब बुद्धिमत्ता के विस्तार से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नई संभालनाएँ भी पैदा हो सकती हैं। आंकड़ा प्रबंधन, तकनीकी सेवाओं, साइबर सुरक्षा और व्यावसायिक यंत्रणाओं को अधिक प्रभावी बनाने के क्षेत्र में भारतीय कंपनियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास, अनुसंधान, बिजली की उपलब्धता और तकनीकी ढाँचे में निवेश जरूरी होगा।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग



रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस सटनाक्रम में सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिशत विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालाँकि सरकारी बांडों भी स्थिति दरों में बढ़ाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममय नहीं माना जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आधुनिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिपक्वता का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय को लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत शाब्दिक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियों विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं।

के अनुमान पर भारी कर्ज लेकर विशाल आंकड़ों केन्द्र तैयार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेश का आधार वास्तविक ग्राहक मांग, संधावित्त आय और दीर्घकालीन आर्थिक उपयोगिता होनी चाहिए। सरकार और उद्योग को यह भी देखना होगा कि इन प्रतिष्ठानों की बिजली तथा पानी की जरूरतें किस प्रकार पूरी की जाएँ और उनका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कृत्रिम बुद्धिमान में मौजूद उथल-पुथल तकनीकी विकास के लिए यह एक प्रमाण नहीं है। या संभव है कि आने वाले वर्षों में यह तकनीक छोड़ों की उपायकता बढ़ाए, नई सेवाओं की जन्म दे और आर्थिक गतिविधियों का स्वरूप बदल दे। लेकिन किसी तकनीक की उपयोगिता और उससे जुड़ी कानूनीय कठोरताओं का उचित मूल्यांकन दो अलग प्रश्न हैं। तकनीकी प्रगति अपने आप में इस बात की गारंटी नहीं देती कि हर निवेशक को लाभ होगा या प्रत्येक कंपनी सफल रहेगी।

अतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य केवल शक्तिशाली संपाणकों और अर्बों डॉलर के निवेश से तय नहीं होगा। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह समाज और अर्थव्यवस्था की वास्तविक समस्याओं का कितना प्रभावी समाधान करती है, उससे कितनी टिकाऊ अपेदा पैदा हो रही है और कर्पनियां अपने खर्च तथा कर्ज का प्रबंध कितनी ज़िमेदारी से करती हैं। तकनीकी महत्वाकांक्षा आवश्यक है, लेकिन उसके साथ विवेकपूर्ण निवेश और वित्तीय अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। वैश्विक बाजार की मौजूदा चिंता इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछुओं को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साध जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सि शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं?

(कमलेश पांडे)

सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूँकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणार्थी हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अण्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा।

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आपा भड़काई, उसकी भारी कीमत आपा उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से ओरूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कारवाँई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हथी विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया तो ताइवान-इमले शुरु किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, जन्त वायु सखा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हथी विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बन रहे हैं।

जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएं, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक



मौडिया की 12-13 अक्टूबर को रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियाँ और हत्यों की बढ़ती श्रृंखलाओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण हैं। एक, अमेरिका जैसे महाशक्ति हत्यों को निर्णायक रूप से निर्यतित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पक्ष उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है। दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किया के बीच क्या नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता बना है? दरअसल, यह अमेरिकी शायरों पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया

मगान है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमताएं ईरान से सीधा टकराने की नहीं हैं। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे छेड़ने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछों को पल भर में दबोच कर शिवा शिष्टन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक ही जगह नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दृढ़तम लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सि शिवा संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन से विकल्प हैं?

चूँकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ नहीं छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणागत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिकी सैन्य अड़ानों को खाली करावे। इससे

आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और 'इस्लामिक नाटो' क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्की के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूँढने की कोशिश करते हैं, जहाँ पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला स्वावल यह है कि हूतियों को नियमित करना शक्ति अर्थात् क्यों है? तो जवाब होता कि सैन्य अतः और युद्ध के परिणाम में अंतर होगा। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी श्रेष्ठता संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की प्रशिक्षण का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अवतक दिखाएँ। हूतों अदोलन से यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हूतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, इराण से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारण हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप वह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा। दूसरा स्वावल है कि क्या लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हती क्यों भारी पड़ रहा है? शास्त्र

इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। खान और अन्य अत्यंत सख्त सस्ते सपनों से डरोर उपभूक्त किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमान-उड़ानें प्रतिष्ठानों और वाणिज्यिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब को रक्षा व्यवस्था पूरी तरह बिनाफाल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमलों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में कई कमियों को जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हूतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भूगोलीय परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी जननीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं। हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हूतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक ताकतें सैन्य समर्थ हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हूतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चूनीयताएँ हैं।

रायपुर में देश की पहली ‘छत्तीसगढ़ हॉकी लीग’ का भव्य आगाज़, 6 टीमें खिताब के लिए दिखाएंगी दम

‘चलव रे संगी हॉकी खेलबो’ के नारे से गूंजा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम; केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री डॉ. रक्षा खड़से और डिप्टी सीएम अरुण साव ने किया शुभारंभ

जनता के गोठ- रायपुर
रायपुर। छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नया और पेशेवर आयाम देने के उद्देश्य से देश की पहली अन्तूदी ‘छत्तीसगढ़ हॉकी लीग’ का बुधवार को राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में रंगारंग शुभारंभ हुआ। ‘चलव रे संगी हॉकी खेलबो’ के जोशीले उद्घोष के साथ शुरू हुई इस ऐतिहासिक लीग में देश के ओलीपियनों, अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों और प्रदेश की उभरती युवा प्रतिभाओं का संगम देखने को मिलेगा।

समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री डॉ. रक्षा निखिल खड़से ने की। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा राज्य सभा सांसद लक्ष्मी



वर्मा, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान सरदार सिंह और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित खेल जगत की कई हस्तियां उपस्थित रहीं। उद्घाटन के अवसर पर महिला खिलाड़ियों का एक विशेष प्रदर्शनी मुकाबला भी खेला गया। कॉर्पोरेट और सरकारी उपक्रमों की 6 टीमें मैदान में

लीग में कॉर्पोरेट घरानों और सार्वजनिक उपक्रमों की सहभागिता से 6 फ्रेन्चाइजी टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं: - चक्रधर चैंपियंस (जिंदल स्टील लिमिटेड) - न्यायधानी नाइट्स (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड - स्पर्श)



- राजधानी रॉयल्स (श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड) - मैनपाट टाइगर्स (छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल) - संस्कारधानी स्टार्डकर्स (सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड) - बैलाडीला बुल्स (एनएमडीसी लिमिटेड)

हर टीम में 18 स्थानीय और 4 ओलंपियन खिलाड़ी
खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार के अनुसार, प्रत्येक 22 सदस्यीय टीम में छत्तीसगढ़ के 18 स्थानीय युवाओं के साथ 4 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय (ओलंपियन) खिलाड़ियों को जगह दी गई है। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को शीर्ष

स्तर के दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और आधुनिक तकनीक सीखने का सीधा अवसर मिलेगा। मैचों का तकनीकी और पेशेवर संचालन हॉकी इंडिया के अधिकृत मैच अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

दिग्गजों ने बढ़ाया हौसला
- ‘छत्तीसगढ़ बनेगा देश का नया ‘खेल गढ़’ - डॉ. रक्षा निखिल खड़से: केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार खेलों को देश के हर घर तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप गैर-क्रिकेट खेलों को भी पर्याप्त बजट और प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह लीग छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख ‘खेल गढ़’ के रूप में स्थापित करेगी।
हॉकी के स्वर्णिम इतिहास को दोहराने का समय+ — अरुण साव:
डिप्टी सीएम अरुण साव ने याद

दिलाया कि आज ही के दिन 25 वर्ष पहले भारत ने जूनियर हॉकी विश्व कप जीता था, और उस ऐतिहासिक टीम के सदस्य देवेश चौहान इस प्रतियोगिता में मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विसेंट लकड़ा, रेणुका यादव और सबा अंजुम जैसे दिग्गजों का स्मरण करते हुए कहा कि ‘गो खेलेगा, वो खिलेगा-’ की भावना से युवाओं में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित होगी।

शेड्यूल, मुफ्त प्रवेश और सीधा प्रसारण
- मुकाबलों की तारीख: 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक।
- समय: प्रतिदिन दो मुकाबले – पहला मैच शाम 5:30 बजे और दूसरा मुकाबला शाम 7:30 बजे से।
- दर्शकों के लिए सुविधा: स्टेडियम में खेलाेमियों और छात्रों के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है।

छोटे देवड़ा में भव्य डांस प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

बकावंड जनता के गोठ।विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर सार्वजनिक नव दुर्गा समिति, छोटे देवड़ा द्वारा भव्य डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बच्चों और कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 24 प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। माता रानी के भजनों पर प्रस्तुत मनमोहक नृत्य ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण बना रहा और दर्शकों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में सार्वजनिक नव दुर्गा समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार कश्यप, उपाध्यक्ष कमलोचन, सचिव बलराम गोयल, सहसचिव लंबोदर, कोषाध्यक्ष सोमनाथ सहित सार्वजनिक नवदुर्गा युवा समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

दीप्ति धोबीगुड़ा को प्रथम



पुरस्कार- डांस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दीप्ति, धोबीगुड़ा को 5,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं राजनगर के रैला ग्रुप ने द्वितीय स्थान हासिल कर 3,000 रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। उमरगांव की संतुला ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 2,500 रुपये का पुरस्कार जीता। इसी प्रकार छोटे देवड़ा के अभिलाषा को चतुर्थ स्थान पर रहने के लिए 1,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

रायपुर में निकली भव्य चुनरी यात्रा: 70 वार्डों से आई चुनरियों के साथ श्रीराम मंदिर से मां काली मंदिर तक उमड़ा मातृशक्ति का सैलाब



‘एक आस्था, एक संकल्प’ के ध्येय के साथ भक्ति, समरसता और नारी शक्ति का दिखा अनूठा संगम

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ
रायपुर। राजधानी रायपुर में ‘एक आस्था, एक संकल्प’ के पावन ध्येय के साथ भव्य चुनरी यात्रा श्रद्धा, भक्ति और अपार उत्साह के वातावरण में निकाली गई। रायपुर महानगर के सभी 70 वार्डों का प्रतिनिधित्व करते हुए 70 पावन चुनरियों के साथ निकली इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में मातृशक्ति और श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग ‘जय माता दी’ और मां दुर्गा के गगनभेदी जयकारों से गुंज उठा।

वीआईपी रोड से आकाशवाणी चौक तक भक्तिमय माहौल- भव्य चुनरी यात्रा का शुभारंभ वीआईपी रोड स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुआ। लाल चुनरी धामे मातृशक्ति का कारवां जैसे-जैसे आगे बढ़ा, शहर का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति-भाव से सराबोर हो गया। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए आकाशवाणी स्थित सुप्रसिद्ध मां काली मंदिर पहुंची, जहां माता रानी को विभूषित 70 चुनरियां समर्पित कर प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई।

मातृशक्ति की एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक- आयोजन में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू विशेष रूप से शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि यह चुनरी यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि रायपुर की मातृशक्ति के संगठन, अटूट आस्था और सांस्कृतिक चेतना का विराट स्वरूप है। 70 वार्डों की माताओं-बहनों ने एक साथ आकर यह संदेश दिया है कि भारतीय सनातन संस्कृति और नारी शक्ति ही हमारे समाज की असली संवहल है।

आयोजकों के समर्पण से सफल हुआ महाआयोजन
इस भव्य चुनरी यात्रा को सफल बनाने में आयोजन समिति की प्रमुख सदस्य भारवी वैष्णव, किरण साहू, शारदा चौहान एवं सरस्वती वर्मा की सक्रिय भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि रायपुर महानगर के प्रत्येक वार्ड से माताओं-बहनों को जोड़कर सनातन परंपरा और मां भगवती की आराधना को जन-जन तक पहुंचाना ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य रहा। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर चुनरी यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। भजनों की धून, ढोल-नगाड़ों की थाप और लाल परिधानों में सजी मातृशक्ति के उत्साह ने पूरे महानगर को भक्तिमय उत्सव के रंग में रंग दिया।

मनोहरा में मां दुर्गा की विदाई से पहले श्रद्धा और सेवा का संगम, महिला सेवा मंडली के सभी सदस्यों को वैद्यराज नरसिंग सेन ने भेंट किया नारियल

जनता के गोठ/ओंकार साहू बलौदाबाजार-भाटपारा जिले के सिमगा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मनोहरा के आजाद चौक स्थित संगम दुर्गा उत्सव समिति में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन से पहले भावपूर्ण विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिला सेवा मंडली मनोहरा के सदस्यों ने मां दुर्गा को भावभीनी विदाई देते हुए क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान वैद्यराज नरसिंग सेन ने महिला सेवा मंडली के सभी सदस्यों को संप्रेम एक-एक नारियल भेंट किया। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्रद्धा, सेवा, समर्पण और आपसी सद्भाव का सुंदर संगम देखने को मिला।



महिला सेवा मंडली की ओर से जनक वर्मा, राधेश्याम यादव, तुलाराम विश्वकर्मा संतोषी साहू भगवतिन साहू सुशीला निषाद नीरा वर्मा अहिल्या निषाद कुलवन्तिन निषाद गीता निषाद रूपा वर्मा जेवंतीन यादव और कमला वर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वहीं संगम दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य पंडा बृजलाल साहू, महेंद्र साहू, दीपक सेन, दुष्यंत साहू रमेश

निषाद टेकराम निषाद शेखर साहू, गोरेलाल साहू, सुनील वर्मा, अजय निषाद, देवेंद्र साहू, सूरज साहू, राधे देवांगन, गुमेश साहू जितु साहू, कोमल साहू, तुषार साहू, दाऊ यादव लाली निषाद, खुशबू ध्रुव वर्षा वर्मा ज्योति साहू गुंजा साहू हेमकिरण साहू ऋतु निषाद ऊषा यादव गीता यादव दिवंकल साहू सहित अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

बाबा गुरु घासीदास जी के सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर, 21 अक्टूबर 2026
मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, अहिंसा, करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश ‘मनखे-मनखे एक समान’ हमें भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मभूमि भण्डारपुरी छत्तासगढ़ की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला हमारी आस्था, सामाजिक एकता और सद्भाव का गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सत्य, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास की यात्रा में कोई भी समाज, वर्ग अथवा क्षेत्र पीछे न रहे, इसी भावना के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतनामी समाज की शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली स्थित कोचिंग संस्था में सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की गई है। उन्होंने भण्डारपुरी में मोती महल के भूमिपूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़े स्थलों के विकास एवं संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के इस संकल्प को साकार करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा लक्ष्य है। उन्होंने सभी से बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सामाजिक सद्भाव और समरसता को मजबूत करने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

लगभग 29 करोड़ रुपए के तीन सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन
मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुल 28 करोड़ 96 लाख 82 हजार रुपए



की लागत के तीन सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 8 करोड़ 31 लाख 5 हजार रुपए की लागत से मोहंदी-अड़सेना मार्ग के 4 किलोमीटर हिस्से का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण और 3 करोड़ 30 लाख 78 हजार रुपए की लागत से नरदाह में 2 किलोमीटर लंबे आंतरिक मार्ग का निर्माण शामिल है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने 17 करोड़ 34 लाख 99 हजार रुपए की लागत से 29 किलोमीटर लंबे छतोना-दरबा-कुंटेसर-बड़ागांव-कुंडा-नारा-लखौली मार्ग के डामर नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ गांवों के बीच सड़क

हर विवाहित महिला को ?1000 देने का वादा कर नियमों में उलझाया, अब थमा रहे वसूली नोटिस: वंदना राजपूत

एक हाथ से ?1000 देकर दूसरे हाथ से बिजली बिल में 33ल बढ़ातेरती कर ?4000 वसूल रही सरकार : कांग्रेस

लाभार्थियों की संख्या 70 लाख से घटकर 68 लाख हुई; स्व-सहायता समूहों का काम छीनने का लगाया आरोप

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ



रायपुर। छत्तीसगढ़ में ‘महतारी वंदन योजना’ के तहत लाभान्वित महिलाओं को अपात्र बताकर उनसे पूर्व में जारी राशि की वसूली किए जाने के मामले पर सियासी पारा चढ़ गया है।

‘मोदी की गारंटी’ के नाम पर छलावा, अब शर्तों का बंधन

कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने ‘मोदी की गारंटी’ के तहत प्रदेश की हर विवाहित महिला को बिना किसी भेदभाव के प्रतिमाह ?1000 देने का वादा किया था।

एक हाथ से राहत, दूसरे हाथ से जेब तराशने का आरोप
वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार महतारी वंदन योजना के नाम पर महिलाओं पर कोई अहसान जताना बंद करे।
स्व-सहायता समूहों की आजीविका छीनी, 2 लाख महिलाएं योजना से बाहर
कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने महिला स्व-सहायता समूहों के नियमित कामकाज बंद कर दिए हैं, जिससे लाखों महिलाओं की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

के लिए 85 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके साथ ही अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मध से 40 स्थानों पर लकड़ी के जैतखाम स्थापित करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सतनामी समाज सतत विकास की ओर अग्रसर : मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्घोषन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सतनामी समाज सतत विकास की ओर अग्रसर है। समाज की ओर से विकास से जुड़ी जितनी भी मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई हैं, उन्हें उन्होंने संवेदनशीलता के साथ पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज आगे भी चहुंमुखी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि भण्डारपुरी में मोती महल का भूमिपूजन सामाजिक समरसता और समाज की सांस्कृतिक विरासत के प्रति मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 किए जाने से समाज के अधिक युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

समान नागरिक संहिता पर संभाग स्तरीय परामर्श बैठक 28 को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और इसका प्राारूप तैयार करने के संबंध में 28 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे से देवकी नंदन दीक्षित सभागृह लाल बहादुर शास्त्री स्कूल बिलासपुर में संभाग स्तरीय समूह चर्चा एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई है। राज्य शासन द्वारा गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में विभिन्न संगठनों और समाज के प्रतिनिधियों से विचार एवं सुझाव लिए जाएंगे। बैठक में बिलासपुर, मुंगेली, गैरला-पेण्ड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, सक्ती और सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संगठनों के प्रमुखों के साथ शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित नागरिकों, विशिष्ट नागरिकों, गणमान्य नागरिकों तथा निगम, मंडल एवं आयोगों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 25 जून 2026 की अधिसूचना द्वारा सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी श्री शत्रुघ्न सिंह एवं श्री एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती ज्योति रानी सिंह सदस्य हैं। समिति छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में वर्तमान विधिक स्थिति का अध्ययन करेगी। विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित विषयों पर सुझाव देना भी समिति के दायित्वों में शामिल है। इसके लिए नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से विचार एवं सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। समिति अन्य राज्यों में प्रचलित समान नागरिक संहिता संबंधी व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी। प्राप्त सुझावों और अध्ययन के आधार पर समान नागरिक संहिता का प्राारूप तैयार कर राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही आवश्यक विधायी एवं प्रशासनिक अनुशंसाएं भी दी जाएंगी।

अटल आवास में लगी भीषण आग मची अपफ़्रा-तफ़री, 75 से अधिक लोगों का किया रेस्क्यू

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में मुक्तिधाम के पास स्थित अटल आवास में रविवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग और उठते धुएं के कारण आवास में रहने वाले लोगों के बीच दहशत फैल गई। घटना के समय बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग अपने घरों में मौजूद थे। जान बचाने की कोशिश में कुछ लोगों ने पहली और दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इस दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी की मौत नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, अटल आवास के ग्राउंड फ्लोर पर आचनक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग की लपटें और धुआं फैलने लगा। इससे कई परिवारों के लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया और कुछ लोग आवास के भीतर ही फंस गए। घबराहट के बीच कुछ महिलाओं और बच्चों ने ऊपरी मंजिलों से नीचे छलांग लगाकर जान बचाने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए आसपास के रहवासियों ने तत्परता दिखाई और रस्सियों व कपड़ों की मदद से छत तथा ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा। आग की चपेट में आने से आवास के बाहर खड़ी करीब छह मोटरसाइकिलें जलकर नष्ट हो गईं। घटना के बाद इलाके में अफ़्रा-तफ़री का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। आवास में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही बचाव कार्य तेज किया गया। इस दौरान 75 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही सरकंडा पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक़त के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के सहयोग से फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। समय रहते राहत और बचाव कार्य होने से बड़ी जनहानि टल गई। आग लगने के वास्तविक कारणों का फ़िलहाल पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग से हुए कुल नुकसान का आकलन भी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

रिहायशी इलाके तक पहुंचा भालू, शिव मंदिर के सीसीटीवी में कैद हुई गतिविधि, ग्रामीणों में दहशत

बालोद। जिले के भालूकोन्हा गांव में भालू की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। शनिवार देर रात गांव के तालाब पार स्थित शिव मंदिर परिसर में भालू दिखाई दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी गतिविधियां कैद हो गईं। रविवार को भालू को जंगल की ओर जाते हुए भी देखा गया। रिहायशी इलाके के करीब भालू की आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भालू पिछले करीब एक महीने से भालूकोन्हा गांव और आसपास के क्षेत्र में घूम रहा है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को देकर भालू को पकड़ने की मांग की थी। इसके बावजूद गांव के शिव मंदिर परिसर में उसकी मौजूदगी सामने आने से लोगों की चिंता फ़िर बढ़ गई है।

किया गया तथा पुलिस महानिरीक्षक ने उनसे मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष बिलासपुर श्री राजेश सूर्यवंशी, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली श्री भोजराम पटेल, सेनानी 2री भव्य परेड आयोजित कर शहीदों को सलामी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री राम गोपाल गर्ग ने 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में देशभर में शहीद हुए पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की नामावली सूची का वाचन किया। इसके पश्चात शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित शहीदों के परिजनों को सम्मानित



गुप्त, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजुलता केरकेट्टा तथा माननीय उच्च न्यायालय सुरक्षा में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह बैस सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और

शहीद परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। शहीद जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

सांसद कमलेश जांगड़े और विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने दिखाई हरी झंडी

रामलला के दर्शन को निकले 850 श्रद्धालु,चेहरों पर खुशी और आंखों में आस्था

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े एवं बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं को आत्मीय विदाई दी गई। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा रेलवे स्टेशन गूंज उठा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सभापति श्रीमती भारती नीरज माली, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा का अवसर मिल रहा है। भगवान श्रीराम के दर्शन की अभिलाषा हर श्रद्धालु के मन में होती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से इस योजना से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। श्रद्धालुओं के चेहरे पर दिखाई दे रही यह खुशी इस योजना की साधकता को दर्शाती है। विधायक श्री



धरमलाल कौशिक ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को तीर्थयात्रा

कराई थी, उसी भावना के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय श्रद्धालुओं को श्री रामलला के दर्शन करा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनके सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं की रवानगी के दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा।

तिलक लगाकर, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर प्रभु श्रीराम के दर्शन की खुशी साफझलक रही थी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या धाम में श्री रामलला के साथ काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे।अयोध्या रवाना हो रहे श्रद्धालुओं में कोरबा जिले के ओम प्रकाश बारी, मुंगेली जिले के पथरिया के रामखिलावल, लोरमी की पूर्णिमा, अनिल कुमार जायसवाल, बिलासपुर के संजू वैष्णव सहित अन्य ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का बड़ा सपना था, जो शासन की इस योजना से साकार हो रहा है। आर्थिक परिस्थितियों के कारण तीर्थयात्रा कर पाना कठिन था, लेकिन अब उन्हें सम्मानपूर्वक तीर्थयात्रा का अवसर मिल रहा है। महिला श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए खुशी जाहिर की। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं के आने-जाने, ठहरने, मंदिर दर्शन, नाश्ता एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था शासन द्वारा की गई है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए यात्रा सहयोगी, सुरक्षकर्मि एवं चिकित्सकों का दल भी साथ रहेगा।

मिट्टी की सेहत सँवारने गांव-गांव पहुंचेगा खेत बचाओ अभियान...

■ 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक जिले के 100 ग्राम पंचायत भवनों में होंगे कार्यक्रम

■ संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

अभियान’ शुरू होगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। अभियान के तहत किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। जिले के चारों विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर और कोटा में अभियान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक विकासखंड के 25 ग्राम पंचायत भवनों में आयोजन होगा। इस प्रकार जिले में कुल 100 ग्राम पंचायत भवनों में किसानों तक खेती की उपयोगी जानकारी पहुंचाई जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में लगभग 50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। उप संचालक कृषि ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और

किसानों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक स्व-सहायता समूहों, कृषि उत्पादक संगठनों, कृषि सखियों और सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा। अभियान का प्रमुख संदेश होगा-मिट्टी की जरूरत समझें और उसी के अनुरूप खाद का उपयोग करें। किसानों को मृदा परीक्षण का महत्व बताते हुए उर्वरकों एवं अन्य कृषि आदानों के संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की जानकारी दी जाएगी। जल संरक्षण एवं संचयन के साथ भूमि की उर्वरता बनाए रखने वाली टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। धान की कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों के समुचित उपयोग पर भी विशेष जोर रहेगा।

राष्ट्रपति पूर्वाभ्यास शिविर में बिलासपुर जिले के चार गाइड एवं दो रोवर हुए शामिल.....

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राष्ट्रपति पूर्वाभ्यास शिविर का आयोजन 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र, अभनपुर (झांकी) में किया गया। शिविर में बिलासपुर जिले के चार गाइड एवं दो रोवर ने सहभागिता कर जिले का प्रतिनिधित्व किया। राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव श्री अमित क्षत्रिय के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का संचालन श्री अमित क्षत्रिय ने किया। शिविर में मुख्य परीक्षक के रूप में एएलटी रोवर श्री सूरज कसार ने दायित्व निभाया। वहीं सहायक के रूप में एलटी स्काउट श्री योगेश्वर साहू, एएलटी रोवर श्री दिलीप पटेल, एचडब्ल्यूबी गाइड श्रीमती रत्ना कश्यप,



एचडब्ल्यूबी रोवर श्री शशांक विश्वकर्मा एवं एचडब्ल्यूबी गाइड सुश्री कौशल्या साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में बिलासपुर जिले से गाइड के रूप में दिव्या पटेल, हिमांशी श्रीवास, सत्या एवं किरण तथा रोवर के रूप में नितेश चंद्राकर एवं चंद्रशेखर पंकज शामिल हुए। राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण - शिविर के दौरान

प्रतिभागियों को राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, आवश्यक मानकों एवं गतिविधियों का पूर्वाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं संगठनात्मक कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर स्काउट-गाइड

एवं रोवर को राष्ट्रपति पुरस्कार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिलासपुर जिले के प्रतिभागियों की इस सहभागिता से जिले में स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है। साथ ही, युवाओं में सेवा, समर्पण, अनुशासन एवं नेतृत्व के मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में यह शिविर महत्वपूर्ण साबित हुआ।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभागीय बैठक 23 को

बिलासपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए संभागीय बैठक 23 अक्टूबर को सवेरे 11 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में संभागायुक्त बिलासपुर, संचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रखेत्र वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, प्रबंध संचालक बीज निगम, मार्केटड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, अनुसंधान सेवाएं, विस्तार सेवाएं, इंगो.कू.वि.वि. रायपुर छ.ग., क्षेत्रीय प्रबंधक, नाबाई सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने और धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं 5 नवंबर से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय राज्योत्सव 2 नवंबर को पुलिस परेड मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष आयोजन की थीम ‘सशक्त नारी, युवा उड़ान’ होगी।

राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में 1 से 3 नवंबर तक तीन दिनों तक रोशनी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बांट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

सशक्त नारी, युवा उड़ान की थीम पर 2नवंबर को मनेगा जिला स्तरीय राज्योत्सव

■ सीएम हेल्पलाइन के आवेदकों से स्वयं चर्चा करें अधिकारी, निराकरण की जानकारी भी दें

■ धान खरीदी की सभी तैयारियां 5 नवंबर से पहले पूरी करने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां समय पर पूर्ण करने, सीएम हेल्पलाइन के आवेदकों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने और धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं 5 नवंबर से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय राज्योत्सव 2 नवंबर को पुलिस परेड मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष आयोजन की थीम ‘सशक्त नारी, युवा उड़ान’ होगी। राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में 1 से 3 नवंबर तक तीन दिनों तक रोशनी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागों को आयोजन की तैयारियां समन्वय के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए श्री

समीक्षा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं इसकी गंभीरता से समीक्षा कर रहे हैं। अधिकारी आवेदकों से स्वयं चर्चा करें, उनकी समस्या समझें और निराकरण के बाद उन्हें इसकी जानकारी भी दें। इससे आवेदकों की संतुष्टि का स्तर बढ़ेगा। उन्होंने स्पेशल क्लोजर वाले प्रकरणों की विशेष समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इनका अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 14 नई समितियों सहित कुल 130 समितियों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। नई समितियों के लिए स्थल चयन कर लिया गया है। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बांट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

